Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) __________________________

   (Name) ____________________________

2. (Signature) __________________________

   (Name) ____________________________

Roll No. | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No.____________________________

(In words)

Test Booklet No.

J	6 3	1	0

Time : **2 $^1/_2$** hours]

PAPER-III

[Maximum Marks : **200**

MASS COMMUNICATION AND JOURNALISM

Number of Pages in this Booklet : **24**

Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answer to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुए रिक्त स्थान पर ही लिखिये ।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है ।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे ।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें ।
8. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें ।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।**

MASS COMMUNICATION & JOURNALISM

जनसंचार एवं पत्रकारिता

PAPER–III

प्रश्नपत्र–III

Note : This paper is of **two hundred (200)** marks containing **four (4)** sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्नपत्र **दो सौ (200)** अंकों का है एवं इसमें **चार (4)** खंड हैं । अभ्यर्थियों को इनमें समाहित प्रश्नों के उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है ।

SECTION – I
खंड – I

Note : This section consists of **two** essay type questions of **twenty (20)** marks each, to be answered in about **five hundred (500)** words each. **(2 × 20 = 40 marks)**

नोट : इस खंड में **बीस-बीस** अंकों के **दो** निबन्धात्मक प्रश्न हैं । प्रत्येक का उत्तर लगभग **पाँच सौ (500)** शब्दों में अपेक्षित है । **(2 × 20 = 40 अंक)**

1. (a) Identify the basic characteristics of an information society while discussing various theories of information society. Can India become an information society ? Elaborate.
सूचना समाज के विभिन्न सिद्धान्तों की चर्चा करते हुए सूचना समाज की मूलभूत विशेषताओं की पहचान कीजिये । क्या भारत सूचना समाज बन सकता है ? विस्तार से स्पष्ट कीजिये ।

OR / अथवा

(b) In an era of globalisation, and crumbling ideologies and economic systems, should we revisit the communication strategies for development ? Explore such possibilities.
वैश्वीकरण और विशीर्ण होती विचारधाराओं और आर्थिक व्यवस्थाओं के युग में क्या हमें विकास हेतु संचार रणनीतियों पर पुन: विचार करना चाहिये ? ऐसी सम्भाविताओं की छानबीन करें ।

OR / अथवा

(c) Describe the reasons as to why the newspaper industry in India is expanding rapidly. Explain how the ownership pattern is changing in the newspaper industry.
भारत में समाचार पत्र उद्योग क्यों तेजी से विस्तृत हो रहा है, कारण बताइये । समाचार पत्र उद्योग में स्वामित्व का स्वरूप किस प्रकार बदल रहा है, व्याख्या करें ।

2. (a) Corporatisation of media ethics and marketisation of media morality have been debated upon in media circles. Examine the issue in relation to the paid news syndrome recently observed in Indian media.
मीडिया सर्किलों में मीडिया आचार के कॉरपोरेटाइज़ेशन और मीडिया नैतिकता पर बहस की जाती है । भारतीय मीडिया में हाल ही में प्रेक्षित प्रदत्त समाचार सिन्ड्रोम (संलक्षण) के सम्बन्ध में इस मुद्दे की परीक्षा कीजिये ।

OR / अथवा

(b) Digital flexibility, erasure of media distinction and disappearance of mass society have created a world of contrasts and contradictions. Dissect the statement in the Indian context.
डिजिटल लचीलेपन, मीडिया भिन्नता के विलोपन और जन समाज के गायब होने ने अन्तरों और विरोधों का जगत सृजित कर दिया है । भारतीय संदर्भ में इस कथन का विश्लेषण कीजिये ।

OR / अथवा

(c) Describe the reasons as to why the documentary films lost out to the feature films. Explain why and how it has been revived recently.
वृत्तचित्र फिल्में क्यों फीचर फिल्मों से पिछड़ गई हैं, कारण बताइये । हाल ही में क्यों और कैसे यह पुनर्जीवित हुई है ?

SECTION – II

खंड – II

Note : This section contains **three (3)** questions of **fifteen (15)** marks each, to be answered in about **three hundred (300)** words. **(3 × 15 = 45 marks)**

नोट : इस खंड में **पन्द्रह-पन्द्रह** अंकों के **तीन (3)** प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **तीन सौ (300)** शब्दों में अपेक्षित है । **(3 × 15 = 45 अंक)**

3. Do you favour the proposition that there should be an advertisement-free zone for children's television ? What difficulties would you foresee in setting up such a zone ? Amplify.
   क्या आप इस प्रस्ताव का समर्थन करते हैं कि बच्चों के टेलीविज़न के लिये विज्ञापन-मुक्त अंचल होना चाहिये ? ऐसे अंचल की स्थापना करने में आप किन कठिनाइयों का पूर्वानुमान करते हैं ?

4. Describe the problems and issues that a social researcher encounters in designing instruments/tools, data collection and data interpretation while conducting research in India. Suggest ways to overcome them.
   भारत में शोध करते समय सामाजिक शोधकर्ता को उपकरण/औजार डिजाइन करने, आँकड़े का संकलन और आँकड़े की व्याख्या करने में जिन समस्याओं और मुद्दों का सामना करना पड़ता है उनका वर्णन कीजिए । उन पर काबू पाने के तरीके बताइये ।

5. Media focus today on upper class of the society. Don't you think that media have accepted the drizzling theory for information distribution also. Find out the relationship between media and power elite.
   आज मीडिया समाज के उच्चतर वर्ग पर फोकस करता है । क्या आप नहीं सोचते हैं कि मीडिया ने सूचना वितरण की 'ड्रिज़लिंग थ्योरी' को स्वीकार कर लिया है । मीडिया और शक्तिशाली संभ्रान्त वर्ग के बीच सम्बन्ध ज्ञात कीजिये ।

SECTION – III
खंड – III

Note : This section contains **nine (9)** questions of **ten (10)** marks each to be answered in about **fifty (50)** words. **(9 × 10 = 90 marks)**

नोट : इस खंड में **दस-दस (10-10)** अंकों के **नौ (9)** प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **पचास (50)** शब्दों में अपेक्षित है । **(9 × 10 = 90 अंक)**

6. How does the narrative of sports reporting differ from other types of reporting ? Discuss.

   खेल रिपोर्टिंग का वर्णन अन्य प्रकार की रिपोर्टिंग से किस प्रकार भिन्न है ? व्याख्या कीजिये ।

7. What are the objectives of the News Broadcasters' Association of India ?
भारत के न्यूज़ ब्रॉडकास्टर्स एसोसिएशन के उद्देश्य क्या हैं ?

8. Discuss the qualitative and quantitative approaches to the content analysis of newspapers.
समाचार पत्रों की विषयवस्तु के विश्लेषण की गुणात्मक और परिमाणात्मक उपागमों की विवेचना कीजिये ।

9. For what reasons, the mainstream Indian press is resisting FDI in the print media sector ?
मुख्य धारा (या मेनस्ट्रीम) भारतीय प्रेस किन कारणों से मुद्रित मीडिया क्षेत्र में एफ.डी.आई. का विरोध कर रही है ?

10. Elaborate the ethical issues arising around corporate communications practices following the global financial melt-down.
वैश्विक वित्तीय विघटन के फलस्वरूप कॉरपोरेट संचार प्रथाओं से सम्बन्धित नैतिक मुद्दों की विस्तारपूर्वक व्याख्या कीजिए ।

11. Radio is a copywriter's medium. Elucidate.
रेडियो कॉपीराइटर का माध्यम है । स्पष्टपूर्वक बताइये ।

12. Describe with examples the meaning of tilt up and tilt down shots. Why is it advised to use 'zoom lens' sparingly ?
टिल्ट अप और टिल्ट डाउन शॉट्स के अर्थों की उदाहरणों के साथ व्याख्या करें । 'ज़ूम लेन्स' को मितव्ययिता से उपयोग करने की सलाह क्यों दी जाती है ?

13. What are the reasons for the growing trend of international news agencies preferring to recruit local journalists ?
अंतर्राष्ट्रीय समाचार एजेन्सियाँ स्थानीय पत्रकारों को भरती करना ज्यादा पसन्द करती है । इसकी बढ़ती प्रवृत्ति के क्या कारण हैं ?

14. Analyse the Supreme Court judgement that stated that air waves are a public good.
सर्वोच्च न्यायालय के इस निर्णय का कि वायु तरंगें सार्वजनिक वस्तु हैं, विश्लेषण कीजिये ।

SECTION – IV
खंड – IV

Note : This section contains **five (5)** questions of **five (5)** marks each based on the following passage. Each question should be answered in about **thirty (30)** words.

(5 × 5 = 25 marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित परिच्छेद पर आधारित **पाँच (5)** प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **तीस (30)** शब्दों में अपेक्षित है । प्रत्येक प्रश्न **पाँच (5)** अंकों का है । **(5 × 5 = 25 अंक)**

The encoding/decoding model was first outlined by Stuart Hall in the early 1970s. The approach included three levels of analysis. At the level of the infrastructure of everyday life, it proposed that the researcher should take account of at least three aspects of social structures : the frameworks of knowledge, the relations of production, and the technical infrastructure that supports these. This is the social context that creates both production teams and audiences, and that generates a need for the continuous remaking of society's ideas about itself (its legitimating discourses), and about the people (historically and culturally situated persons) who endorse and so refresh those discourses in the process of living in that world. The social infrastructure was understood as the source of the materials for the production of material culture. In the particular instance addressed by encoding/decoding,

material culture takes the form of mass media programmes, which both document and typify the ideas and interests competing for recognition and dominance in society. The second level of analysis focused on the meaning structures that were in operation in the processes of both encoding and decoding. The model assumed that the discernment of a "message" in the media programme is subject to the interested/motivated deployment of discourse. Two "moments" exercise a determinative impact on the message : the moment of encoding and the moment of decoding. At the moment of "encoding", message production is subject to the meaning structures in play within the production teams. At the moment of decoding, message production is subject to the meaning structures at play in the life worlds of audience members. The message "decoded" may bear little, if any, relation to the meanings the production teams thought they were creating, but is nevertheless far from random. The third level of analysis concentrated on the programme as "meaningful discourse". Both encoding and decoding contribute to the socially "meaningful discourse" produced by a programme.

The encoding/decoding model was more successful than other cultural approaches in promoting audience research as a cultural process, but it failed to establish itself as scientific practice. It was insufficiently responsive to the methodological difficulties it created and to the requirement, inherent in the model, for a radical re-evaluation of the role of the researcher. Specifically the model called into question the role of the researcher as a self-appointed spokesperson for an audience. It legitimated a different role : that of advocate and committed group member taking on the role of apologist, translator and interpreter of the interests and ideals of the group. Secondly, the model failed to advocate a sufficiently sophisticated analysis of texts. Once the question of the audience's view of the text is raised, the nature of the audience member's experience of the text must be addressed, and the relation of that knowledge to the researcher's knowledge of the text questioned. Further more, the complexity of television series and serials as cultural forms was underestimated. And lastly, given the pretensions of the model to the contrary, it unnecessarily limited the activity of the audience to a responsive or reactive role.

इन्कोडिंग/डिकोडिंग मॉडल की रूपरेखा सर्वप्रथम स्टुअर्ट हॉल द्वारा 1970 के दशक के आरम्भ में तैयार की गई थी । यह उपागम विश्लेषण के तीन स्तरों को समाहित करता है । दैनिक जीवन के बुनियादी ढाँचे के स्तर पर, उसने प्रस्ताव किया कि शोधकर्ता को सामाजिक संरचनाओं के कम से कम तीन पहलुओं को ध्यान में लेना चाहिये : ज्ञान की रूपरेखा, उत्पादन के सम्बन्ध और तकनीकी बुनियादी ढाँचा जो इनको सहारा देता है । यह सामाजिक संदर्भ है, जो निर्माण दलों और श्रोतागणों दोनों को सृजित करता है, और जो अपने बारे में (वैध प्रवचन), और लोगों (ऐतिहासिक और सांस्कृतिक रूप से स्थित व्यक्ति) के बारे में समाज के अपने बारे में विचारों के निरन्तर पुनर्निर्माण की जरूरत सृजित करता है । यह लोग ही जगत में रहते हुए उन प्रवचनों का समर्थन करते हैं और उन्हें तरोताजा करते हैं । सामाजिक बुनियादी ढाँचे को भौतिक संस्कृति के निर्माण के लिये पदार्थों के स्रोत के रूप में समझा गया है । इन्कोडिंग / डिकोडिंग द्वारा सम्बोधित विशेष दृष्टांत में, भौतिक संस्कृति जन माध्यम कार्यक्रमों का रूप ले लेती है, जो कि समाज में मान्यता एवं प्राधान्य के लिये प्रतिस्पर्धा कर रहे विचारों एवं रुचियों को प्रलेखित और प्रारूपित करते हैं । विश्लेषण का दूसरा स्तर उन अर्थ संरचनाओं पर फोकस करता है, जो कि इन्कोडिंग और डिकोडिंग दोनों की प्रक्रियाओं में चालन में है । यह मॉडल मानता है कि मीडिया कार्यक्रम में संदेश की विवेकिता, प्रवचन के रुचिपूर्ण / प्रेरित फैलाव के अधीन है । 'दो क्षण' संदेश पर निश्चयात्मक प्रभाव डालते हैं : इन्कोडिंग का क्षण और डिकोडिंग का क्षण । 'इन्कोडिंग' के क्षण पर, संदेश का

निर्माण, निर्माण दलों में चल रही अर्थ संरचनाओं के अधीन होता है । 'डिकोडिंग' के क्षण पर, संदेश का निर्माण, श्रोताओं के जीवन के जगतों में प्रचलित अर्थ संरचनाओं के अधीन होता है । 'डिकोडिड' संदेश उससे बहुत कम सम्बन्ध रख सकता है जो कि निर्माण दल सोचते हैं वे सृजित कर रहे हैं, परन्तु, कुछ भी हो, वह यादृच्छिकता से दूर होते हैं । विश्लेषण का तीसरा स्तर 'अर्थपूर्ण प्रवचन' के रूप में कार्यक्रम पर केन्द्रित करता है । इन्कोडिंग और डिकोडिंग दोनों, कार्यक्रम द्वारा निर्मित सामाजिक रूप से 'अर्थपूर्ण प्रवचन' के प्रति योगदान देते हैं ।

इन्कोडिंग/डिकोडिंग, मॉडल, सांस्कृतिक प्रक्रिया के रूप में श्रोतागण-शोध बढ़ाने में अन्य सांस्कृतिक उपागमों की तुलना में ज्यादा सफल हुआ, परन्तु वैज्ञानिक प्रथा के रूप में अपने को स्थापित करने में यह विफल हो गया । उसने जो क्रमबद्ध कठिनाइयाँ उत्पन्न की उसके प्रति, और शोधकर्त्ता की भूमिका के उग्र पुन:मूल्यांकन के लिये मॉडल में अंतर्निहित अपेक्षा के प्रति अपर्याप्त रूप से प्रतिक्रियाशील था । विशेष रूप से, मॉडल ने श्रोतागण के लिये स्व-नियुक्त प्रवक्ता के रूप में शोधकर्ता की भूमिका पर सवाल उठाया है । उसने भिन्न भूमिका को वैध ठहराया : अधिवक्ता की भूमिका, और समूह के हितों और आदर्शों के पक्षपोषक, अनुवादक और निर्वाचक की भूमिका निभाने वाला समर्पित समूह का सदस्य । दूसरा, मॉडल विषय के यथेष्ट परिष्कृत विश्लेषण की हिमायत करने में असफल रहा । विषय के बारे में श्रोताओं के विचार का प्रश्न एक बार उठाने पर, विषय के बारे में श्रोतागण के सदस्य के अनुभव की प्रकृति को सम्बोधित करना चाहिये, उस विषय के बारे में शोधकर्ता के ज्ञान का उस ज्ञान से सम्बन्ध पर प्रश्न उठाना चाहिये । इसके अतिरिक्त, टेलीविज़न धारावाहिकों और सांस्कृतिक रूपों के धारावाहिकों की जटिलता को वास्तविकता से कम आकलित किया गया । और अंत में, मॉडल के इसके विपरीत मिथ्याभिमान होने पर, वो श्रोताओं की गतिविधि को प्रतिक्रियाशील या भूमिका तक अनावश्यक रूप से सीमित करता है ।

15. What is the social context that creates both production teams and audiences ?
वो सामाजिक संदर्भ क्या है जो निर्माण दल और श्रोतागण दोनों को सृजित करता है ?

16. What is the source of material culture and what forms does it take in encoding/decoding ?
भौतिक संस्कृति का स्रोत क्या है और इन्कोडिंग/डिकोडिंग में यह क्या रूप लेती है ?

17. What are the two “moments” that exercise an impact on the message ?
वो दो ‘क्षण’ क्या है जो संदेश पर प्रभाव डालते हैं ?

18. How has the encoding/decoding model called into question the role of the researcher ?
इन्कोडिंग/डिकोडिंग मॉडल ने किस प्रकार शोधकर्त्ता की भूमिका पर सवाल उठाया है ?

19. How has the model failed to advocate a sufficiently sophisticated analysis of texts ?
विषय का यथेष्ट रूप से परिष्कृत विश्लेषण सम्बोधित करने में मॉडल किस प्रकार से विफल हुआ ?

FOR OFFICE USE ONLY	
Marks Obtained	
Question Number	Marks Obtained
1	
2	
3	
4	
5	
6	
7	
8	
9	
10	
11	
12	
13	
14	
15	
16	
17	
18	
19	
20	
21	
22	
23	
24	
25	
26	

Total Marks Obtained (in words) ....

(in figures) ....

Signature & Name of the Coordinator ....

(Evaluation) Date ....